चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक ..9..4..2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....10.4.....

एचएयू : झील के रूप में विकसित होगा तालाब

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा विश्वविद्यालय

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) अपने दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।उन्होंने कहा कि छह एकड़ में एक तालाब बनाया गया है, जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरे के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

कुलपति ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है, जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

एचएयू में आर्गेनिक फार्म के दौरे के दौरान कुलपति प्रो. समर सिंह को जानकारी देते अधिकारी।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, वहीं किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। निरीक्षण के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक सवेरा......

दिनांक 9.4.2021 पृष्ठ संख्या......3......कॉलम......2-5......

हकृवि करेगा जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसैप्ट को एक साथ लागू : कुलपति

समर सिंह ने कहा, जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

हिसार, 8 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डा. अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक ..9..5..2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम...2.5.....

'अब जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एकसाथ लागू करेगा हकृवि'

हिसार, 8 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसैप्ट को एकसाथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है, जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी।

इसके अलावा 6 एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है, जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यह तालाब प्रवासी व स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरे के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से संचालित : यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एच.ए.यू. में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक: 9.4.2021 पृष्ठ संख्या: 4 कॉलम: 2-5

जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट एक साथ लागू करेगी एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

मौजूदा समय में इस जगह को जैविक खेती के लिए प्रयोग किया जा रहा है। यहां पौधारोपण कर 200 किस्मों के पौधे भी लगाए गए हैं।

2017 में केंद्र किया गया था स्थापित

किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित

इस केंद्र के निदेशक डा. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 9.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.....

एचएयू अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को लागू करेगा : प्रो. समर

हिसार | एचएयू अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। इस दौरान केंद्र में विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कमार यादव ने भी जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	**09.04.2021**	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। (छाया : राज पराशर)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**09.04.2021**	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रोफेसर समर सिंह

जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

एचआडर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादवइस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है। ये रहे मौजूदइस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला डांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	थ्दनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**08.04.2021**	--	--

एग्री टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करेगा हकृवि

हिसार/08 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तालाब प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**08.04.2021**	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**08.04.2021**	--	--

अब जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : समर सिंह

जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

हिसार, 8 अप्रैल (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

हिसार : पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफैसर समर सिंह व अन्य।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादव : इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**08.04.2021**	--	--

प्रवासी व अन्य पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा छह एकड़ में बना तालाब

हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह बोले, अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**08.04.2021**	--	--

जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**08.04.2021**	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रो. सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**08.04.2021**	**Online**	--

अब जैविक खेती व एग्रो टुरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : कुलपति

SHARE 0

जल्द ही दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टुरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टुरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे है। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धगुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ.बिमला ढाका, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।